



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 287]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 1, 2016/भाद्र 10, 1938

No. 287]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 1, 2016/ BHADRA 10, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2016

(निर्णायक समीक्षा)

विषय : चीन जन. गण., के मूल की या वहां से निर्यातित पैरा निट्रो एनीलिन (पीएनए) 1- के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच की शुरूआत।

फा.सं. 15/09/2016-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) ने चीन जन.गण. के मूल की और इंडोनेशिया से निर्यातित “पैरा निट्रो एनीलिन” (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी।

2. यतः प्राधिकारी ने दिनांक 8 जून, 2010 की अधिसूचना सं.14/13/2010-डीजीएडी द्वारा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित मूल जांच की शुरूआत की थी। प्राधिकारी द्वारा दिनांक 5 अगस्त, 2011 की अधिसूचना सं. 14/13/2010-डीजीएडी द्वारा अंतिम जांच परिणाम जारी किया गया था तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा दिनांक 9 सितंबर, 2011 की अधिसूचना सं. 88/2011-सी.शु. द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

3. यतः वर्तमान याचिका मै0 अभिलाषा टैक्स-कैम. लि. और मै. अमरज्योत कैमिकल्स प्रा.लि. (जिन्हें आगे याचिकादाता कहा गया है) द्वारा प्रस्तुत की गई है और इसका समर्थन मै. पनोली इंटरमिडिएट्स (इंडिया) प्रा.लि. और मै. प्रीमियर ऑर्गोकेम इंडस्ट्रीज प्रा.लि. द्वारा किया गया है। याचिकादाताओं ने चीन जनवादी गणराज्य से पैरा नाइट्रो एनीलिन (जिन्हें आगे पीएनए अथवा संबद्ध वस्तु कहा गया है) के

आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क में संशोधन करने, उसको तथा उसकी अवधि को बढ़ाने के लिए इस आवेदन पत्र में संबद्ध वित्तीय सूचना प्रदान की है। यह याचिका निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित स्वरूप और तरीके से प्रस्तुत की गई है।

शामिल देश

4. इस जांच में चीन जनवादी गणराज्य शामिल है।

विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पैरा नाइट्रो एनिलिन है जिसे सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत उप-शीर्ष सं. 29214226 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमाशुल्क का यह वर्गीकरण संकेतात्मक प्रकृति का है और यह वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

6. प्राधिकारी ने मूल जांच के अंतिम जांच परिणाम में निम्नोक्त नोट किया है,

“वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पैरानाइट्रोएनिलिन है (जिन्हें आगे “संबद्ध वस्तु” कहा गया है)। यह एक ऑर्गेनिक रासायनिक मिश्रण है। पैरानाइट्रोएनिलिन को 4- नाइट्रोएनिलिन या 1-एमिनो-4-नाइट्रोबेंजीन अथवा नाइट्रोफिनेलेमिन भी कहा जाता है। पैरा रैंड के सिंथेसिस के लिए 4- नाइट्रोएनिलिन प्रारंभिक सामग्री है जिसे प्रथम ऐजो रंजक कहा जाता है। इस रासायन का प्रयोग सामान्यतः रंजकों, एंटीओसीडेंस, फार्मास्यूटीकल्स और गैसोलिन, गम इन्हीबीटर्स, पोर्ट्री औषधियों और कोरिजन इन्हीबीटर में इंटरमीडिएट के रूप में किया जाता है।”

7. चूंकि प्रस्तावित जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही है जोकि मूल जांच में है।

समान वस्तु

8. समान वस्तु के संबंध में नियम 2 (घ) में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार हैं: -

“समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समनुरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं;

9. याचिकादाताओं ने यह दावा किया है कि भारतीय उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर विद्यमान नहीं है। ये दोनों उत्पाद भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे प्राचलों की विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय है।

घरेलू उद्योग और उसका आधार

10. यतः वर्तमान याचिका मै0 अभिलाषा टैक्स-कैम. लि. और मै. अमरज्योत कैमिकल्स प्रा.लि. (जिन्हें आगे याचिकादाता कहा गया है) द्वारा प्रस्तुत की गई है और इसका समर्थन मै. पनोली इंटरमिडिएट्स (इंडिया) प्रा.लि. और मै. प्रीमियर ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज प्रा.लि. द्वारा किया गया है। यह बताया गया है कि याचिकादाताओं के साथ उनके समर्थकों का उत्पादन देश में भारतीय उत्पादन का 79% है। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों ने संबद्ध देशों में संबंधित निर्यातकों द्वारा भारत को कोई निर्यात नहीं किया गया है तथा याचिकादाताओं ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का कोई आयात नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी ने याचिकादाता कंपनी को नियमावली के नियम 2(ख) में उल्लिखित परिभाषा के भीतर एक घरेलू उद्योग माना है तथा आवेदन पत्र उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार घरेलू उद्योग के आधार के मानदंड को पूरा करता है।

निर्णायक समीक्षा की शुरुआत

11. यतः यह ध्यान में रखते हुए कि प्रस्तुत किया गया आवेदन पत्र विधिवत अधिप्रमाणित है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार है। प्राधिकारी एतद्वारा संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के संबंध में लागू शुल्कों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता की पुनरीक्षा करने तथा इसकी जांच करने के लिए कि क्या ऐसे शुल्क की समाप्ति पर पाटन का निरंतर जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने तथा घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है, इस निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करते हैं।

जांच की अवधि

12. प्रस्तावित वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ प्रस्तावित जांच अवधि (पीओआई) अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 (12 महीनों) की है। तथापि, क्षति जाँच अवधि में अप्रैल 2012-मार्च 2013, अप्रैल 2013- मार्च 2014, अप्रैल 2014- मार्च 2015 और जांच अवधि शामिल है। पाटन और क्षति की संभावना का निर्धारण करने के लिए जांच अवधि के बाद की अवधि के आंकड़ों की भी जांच की जा सकती है।

प्रक्रिया

13. वर्तमान निर्णायक समीक्षा में दिनांक 5 अगस्त 2011 की अधिसूचना सं. 14/13/2010-डीजीएडी (मूल जाँच के अंतिम जाँच परिणाम) द्वारा प्रकाशित मूल जाँच के अंतिम जाँच परिणाम के सभी पहलू शामिल हैं।

14. संबंधित नियमावली के नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 और 20 के उपबंध आवश्यक संशोधनों के साथ इस समीक्षा पर लागू होंगे।

सूचना प्रस्तुत करना

15. संबद्ध देशों में ज्ञात निर्यातकों, भारत में स्थित उनके दूतावासों के जरिए संबद्ध देश की सरकार, उत्पाद से संबंधित समझे जाने वाले भारत में ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं को निर्धारित प्रपत्र में एवं ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने और निम्नलिखित पते पर प्राधिकारी को अपने विचारों से अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है:-

भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग

5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

16. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी जांच से संगत सूचना संबंधी कोई अनुरोध नीचे दी गई समय सीमा के भीतर निर्धारित ढंग और पद्धति से प्रस्तुत कर सकता है। प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अनुरोध करने वाले किसी पक्षकार को अन्य पक्षकारों को उपलब्ध कराए जाने के लिए उक्त अनुरोध का अगोपनीय अंश प्रस्तुत करना होगा।

समय-सीमा

17. वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना और सुनवाई हेतु कोई अनुरोध इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों (40 दिनों) के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास लिखित में भेजी जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अधूरी होती है, तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

18. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा सलाह दी जाती है कि वे इस समीक्षा जांच की शुरुआत की तारीख से 40 दिनों के भीतर वर्तमान मामले में अपने हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना दें और प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर करें तथा पाटनरोधी उपाय जारी रखने की जरूरत अथवा अन्यथा के बारे में घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करें।

गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

19. यदि प्रश्नावली के उत्तर/अनुरोधों के किसी भाग के बारे में गोपनीयता का दावा किया जाता है तो उसे दो अलग-अलग सैटों (क) गोपनीय रूप से अंकित (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि) और (ख) अगोपनीय रूप में अंतिम दूसरा सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि) में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। प्रस्तुत की गई समस्त सूचना पर प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर स्पष्ट रूप से "गोपनीय" या "अगोपनीय" अंकित होना चाहिए और उनके साथ उनकी सॉफ्ट कॉपीयों होनी चाहिए।

20. किसी गोपनीय अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे। समस्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय रूपांतरण की दो (2) प्रतियां और अगोपनीय रूपांतरण की दो (2) प्रतियां सॉफ्ट प्रतियों के साथ, प्रस्तुत की जानी चाहिए।

21. गोपनीय रूप में दावा की गई सूचना हेतु; सूचना प्रदाता के लिए यह अपेक्षित है कि वह प्रदान की गई सूचना के साथ इस आशय के यथोचित कारण का एक विवरण उपलब्ध कराए कि ऐसी सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता और/अथवा ऐसी सूचना का सारांश क्यों संभव नहीं है।

22. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध या रिक्त छोड़ी गई/सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके। तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है; तो प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांश क्यों संभव नहीं है।

23. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

24. सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी रिकॉर्ड में नहीं ले सकते हैं। संतुष्ट होने और प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत को स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार का उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

25. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं।

असहयोग

26. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी ऐसे हितबद्ध पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और अपने पास "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 1st September, 2016

(Sunset Review)

Initiation of Sunset Review of Anti-dumping Duty imposed on imports of Para Nitro Aniline (PNA) From China PR.

F. No. 15/09/2016-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and thereafter (hereinafter also referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred as the Rules), the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) recommended imposition of anti-dumping duty on imports of "Para Nitro Aniline" (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR and Indonesia (hereinafter referred to as the subject country).

2. Whereas, the original investigation concerning imports of the subject goods from the subject countries was initiated by the Authority vide Notification 14/13/2010-DGAD, dated 8th June, 2010. The final finding was published by the Authority vide Notification No. 14/13/2010-DGAD dated 5th August, 2011 and definitive anti-dumping duty was imposed by the Central Government vide Notification No. 88/2011-Customs dated 9th September, 2011.

3. Whereas, the present petition has been filed by M/s. Abhilasha Tex-Chem Ltd. and M/s. Amarjyot Chemicals Pvt. Ltd. (hereinafter referred to as *Petitioners*) and supported by M/s. Panoli Intermediates (India) Pvt. Ltd. and M/s. Premier Orgochem Industries Pvt. Ltd. The petitioners have provided relevant financial information to file this application for the extension of period, modification and enhancement of existing anti dumping duties on imports of Para Nitro Aniline

(hereinafter referred to as PNA or subject good) from China PR (hereinafter referred to as subject country). The petition is in the form and manner prescribed by the Designated Authority.

Country involved

4. The country involved in this investigation is China PR.

Product under Consideration and Like Article

5. The product under consideration in the present investigation is Para Nitro Aniline. Para nitro aniline is classified under Customs sub heading No 29214226 under chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975. However, customs classification is indicative in nature and not binding on the scope of the investigation.

6. The Authority has noted as follows in the final findings of the original investigation,

"The product under consideration in the present investigation is Paranitroaniline (hereinafter referred as "subject goods"). It is an organic chemical compound. Paranitroaniline is also known as 4-nitroaniline, 1-amino-4-nitrobenzene, or p-nitrophenylamine. 4-Nitroaniline is a starting material for the synthesis of Para Red, the first Azo dye. This chemical is commonly used as an intermediate in the synthesis of dyes, antioxidants, pharmaceuticals and gasoline, in gum inhibitors, poultry medicines, and as a corrosion inhibitor."

7. Since the proposed investigation is a sunset review investigation, the scope of the product under consideration is the same as that of original investigation

Like Article

8. Rule 2(d) with regard to like article provides as under: -

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

9. Petitioner has claimed that there is no known difference in subject goods exported from subject countries and that produced by the Indian industry. Both the products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc.

Domestic Industry & Standing

10. The petition has been filed by M/s Abhilasha Tex-Chem. Ltd. and M/s. Amarjyot Chemical Pvt. Ltd. and has been supported by M/s. Panoli Intermediates (India) Pvt. Ltd. and M/s. Premier Orgochem Industries Pvt. Ltd. It has been stated that the production of petitioners along with supporters is 79% of Indian production in the Country. On the basis of information furnished by the applicants, the Authority notes that no exports have been made to India by the related exporters in subject countries and petitioners have not made any imports of the subject goods from the subject country during the POI. Therefore, the Authority has considered the petitioner company as domestic industry within the meaning of the Rule 2(b) of the Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

Initiation of sunset review

11. Whereas, in view of the duly substantiated application filed and in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority hereby initiates a Sunset review investigation to review the need for continued imposition of the duties in force in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject country and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

Period of Investigation

12. The period of investigation (POI) is April 2015 – March 2016 (12 months) for the purpose of present investigation. The injury investigation period will however cover the periods of April 2012-March 2013, April 2013-March 2014 April 2014 - March 2015 and the POI. The data beyond POI may also be examined to determine the likelihood of dumping and injury.

Procedure

13. The present sunset review covers all aspects of the final findings of the original investigation published vide Notification No. 14/13/2010-DGAD dated 5th August, 2011 (final findings of the original investigation).

14. The provisions of Rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 of the Rules supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

Submission of Information

15. The known exporters in the subject country, the Government of the subject country through its embassy in India, the importers and users in India known to be concerned with the product are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

**Government of India
Ministry of Commerce and Industry
Department of Commerce
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
4th Floor, Jeevan Tara Building
5, Parliament Street, New Delhi – 110001**

16. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to submit a non-confidential version of the same to be made available to the other parties.

Time Limit

17. Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of publication of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Anti-dumping Rules.

18. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application regarding the need to continue or otherwise the Anti-dumping measures within 40 days from the date of initiation of this investigation.

Submission of information on confidential basis

19. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire response/ submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non- Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page and accompanied with soft copies.

20. Information supplied without any confidential marking shall be treated as non-confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies of the confidential version and two (02) copies of the non-confidential version must be submitted by all the interested parties.

21. For information claimed as confidential, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.

22. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out /summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, parties submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summarization; a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.

23. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.

24. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Authority. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

Inspection of public file

25. In terms of rule 6(7) of the Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidences submitted by other interested parties.

Non-cooperation

26. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. and Designated Authority